आज़ादी का अमृत महोत्सव

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्

मुख्य भवन ब्लॉक–5 एवं एकलव्य भवन
उपायुक्त (प्रशिक्षण एवं क्वालिटी) कार्यालय–मुख्य भवन ब्लॉक–6, प्रथम तल,
डॉ. एस. राधाकृष्णन् शिक्षा संकुल परिसर, जे.एल.एन मार्ग, जयपुर

फोन –0141–2706069 rajssaquality@gmail.com

भारत 2023 INDIA

क्रमांक–रा.स्कूल.शि.प / जय / गुण.शिक्षा / निपुण मेला / 2024–25 / 7285355 दिनांक

निपुण मेला दिशा–निर्देश

सत्र 2024–25

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुशंषा के अनुसार प्रारम्भिक कक्षाओं में वर्ष 2026–27 तक बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान (FLN) को प्राप्त करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु निपुण भारत मिशन की शुरूआत की गई है। निपुण भारत मिशन के माध्यम से विद्यार्थियों में सीखने की दक्षताओं का विकास किया जाना है, जिससे 2026–27 तक प्रत्येक विद्यार्थी वांछित दक्षताओं को प्राप्त कर सकें। इस हेतु विद्यार्थियों को गतिविधि आधारित शिक्षण के माध्यम से कक्षा कक्षीय गतिविधियां कराई जानी है साथ ही विद्यार्थियों की रूचि और संलग्नता की वृद्धि हेतु प्रोजेक्ट कार्यों को सम्मिलित किया जाए। वार्षिक कार्ययोजना सत्र 2024–25 में नवाचारी गतिविधि के रूप में प्रत्येक PEEO / UCEEO के विद्यालय में निपुण मेले का आयोजन किया जाना है।

निपुण मेला बच्चों के सम्पूर्ण विकास (शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, भाषायी एवं सामाजिक विकास) में एक महत्वपूर्ण पहल होगा। निपुण मेले में टॉय मेकिंग, आर्ट, खिलौने बनाना, मॉड्ल बनाना, स्टोरी मेकिंग, स्टोरी टेलिंग, ग्रुप वर्क एवं रोल प्ले आदि विभिन्न प्रकार की खेल गतिविधियां सम्मिलित की जानी है। उक्त गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को बहुमुखी विकास के अवसर प्राप्त होंगे। निपुण मेले के माध्यम से विद्यालय, समुदाय, शिक्षक, अभिभावक एवं बच्चों को एक साथ जोड़ने, एक दूसरे को समझने एवं आपसी सहयोग के अवसर प्राप्त हो सकेंगे जो निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहयोगी होंगे।

उद्देश्य –

- निपुण भारत मिशन के प्रति समुदाय की समझ विकसित करना।
- निपुण भारत मिशन के प्रचार–प्रसार हेतु गतिविधियों का आयोजन करना।
- समुदाय में जागरूकता एवं सकारात्मक सोच के विकास हेतु साझा पहल।
- समुदाय की भागीदारी के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराना।
- विद्यार्थियों में भय मुक्त वातावरण निर्माण करना एवं सीखने को प्रोत्साहित करना।
- विद्यार्थी एवं शिक्षकों के मध्य गतिविधियों के माध्यम से समन्वय को बढ़ाना।
- मेले के रूप में विद्यार्थियों को सीखने के प्रतिफल आधारित आनन्दायी वातावरण प्रदान करना।
- बच्चों में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास करना ।
- छात्रों को अपने आप को प्रस्तुत करने व करके सीखने जैसे गुणों का विकास करना।
- अभिभावकों को ऐसे कार्यों या गतिविधियों से अवगत करना जिन्हें वे विद्यार्थियों को दैनिक दिनचर्या के दौरान प्रेरित कर सकते है।

RajKaj Ref
7285355

- ➢ बच्चों व अभिभावको की सहभागिता से आयोजित होने वाली गतिविधियों की समझ विकसित करना।
- ➢ बच्चों में सृजनात्मकता, कला, बौद्धिक विकास, भाषायी विकास, संख्याज्ञान विकास आदि में रूचि पैदा कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना।

आयोजन की संभावित दिनांक –

- ➢ निपुण मेला नवाचारी गतिविधि के रूप में आयोजित किया जाना है। निपुण मेले का आयोजन प्रत्येक पीईईओ, यूसीईईओ विद्यालय स्तर पर माह नवम्बर 2024 में आयोजित किया जाना है। आयोजन तिथि की सूचना पृथक से उपलब्ध कराई जायेगी।

प्रस्तावित गतिविधियां –

निपुण मेला FLN आधारित थीम के अनुसार आयोजित किया जाना है। निपुण मेले में विद्यार्थियों, मेंटोर, शिक्षकों के समन्वय से न्यूनतम 5 प्रकार की गतिविधियों की स्टॉल लगाई जायेगी। जहां बच्चों के स्तरानुसार कुछ खेल, गतिविधियां आयोजित की जानी है। प्रतियोगिता में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार भी दिए जायेंगे। मेले में विद्यार्थियों के विकास के आयाम पर आधारित गतिविधियों की स्टॉल लगाई जानी है। जिनमें ऐसी शिक्षण अधिगम सामग्री (TLM) से गतिविधियां आयोजित की जायेगी जो कम लागत से बनी हो, और विद्यालय में शिक्षक आसानी से करवा सकें। आयोज्य गतिविधियों के साथ क्षेत्रीय परिवेश में लोकप्रिय खेलों को भी शामिल किया जाए। प्रस्तावित गतिविधियां निम्नानुसार है –

1. **शारीरिक विकास आधारित गतिविधियाँ** – निशाना लगाना, ब्लाइन्ड फोल्ड, म्यूजीकल चेयर, नीबू दौड, लटकन जलेबी, बॉल डालो सिक्का निकालो आदि।
2. **मानसिक/बौद्धिक विकास आधारित गतिविधियाँ –** देखो और बताओ, ABL KIT आधारित पहेली खेल, हल करो और आगे बढ़ो, वर्ग पहेली, सुनकर जानो, डिजिटल गेम आदि।
3. **सृजनात्मक विकास आधारित गतिविधियाँ** – मिट्टी/क्ले से खिलौने बनाना, पेन्टिंग करवाना, कॉलाज बनाना, स्वतन्त्र पेन्टिंग।
4. **भाषायी विकास आधारित गतिविधियाँ** – कहानी सुनाना, कहानी बनाना, कविता सुनाना, संस्मरण सुनाना आदि।
5. **सामाजिक विकास आधारित गतिविधियाँ –** Family tree, रिश्ते नाते पट्टिका मिलान कराना, अपने अभिभावक, भाई–बहिन के साथ प्रतियोगिता में भाग लेना ।

नोट –

1. निपुण मेले में अधिक से अधिक विद्यार्थियों को भाग लेने हेतु प्रेरित किया जाए। गतिविधि विवरण परिशिष्ट–1 पर संलग्न है।

निपुण मेला 2024–25 हेतु पूर्व तैयारी –

- ➢ निपुण मेला अकादमिक मेला है जो विद्यार्थियों के समग्र विकास को ध्यान में रख कर आयोजित किया जाना है। इस हेतु प्रत्येक पीईईओ/यूसीईईओ विद्यालय कों जिला एवं ब्लॉक स्तर से आवश्यक तैयारियों हेतु निर्देशित किया जाए।

RajKaj Ref
7285355

- निपुण मेले का आयोजन FLN की गतिविधियों को बढ़ावा देने एवं विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास हेतु प्रत्येक पीईईओ, यूसीईईओ के स्तर पर किया जाना है।
- निपुण मेले में उपयोग की जाने वाली सामग्री बजट प्रावधान में दिए गए विवरणानुसार क्रय की जाए। अतिरिक्त राशि/सामग्री की आवश्यकता होने पर भामाशाहों का सहयोग लिया जा सकता है।
- मेले में स्टॉल पर गतिविधि एवं खेल कराने हेतु आवश्यक टीएलएम, चार्ट, पोस्टर, कॉलाज आदि का निर्माण पूर्व में ही पूर्ण कर लिया जाए।
- आवश्यकतानुसार पीईईओ/यूसीईईओ द्वारा अपने परिक्षेत्र के विद्यालयों से एफएलएन मेंटोर को मेले में लगाई जाने वाली स्टॉल के लिए विद्यार्थियों के सहयोग हेतु नामित किया जाए।
- मेले में पीईईओ, यूसीईईओ परिक्षेत्र के कक्षा 1 से 3 तक के समस्त विद्यार्थी तथा समन्वित आंगनबाडी केन्द्र के बालक, बालिका भी भाग लेगें।
- गतिविधियों में सभी विद्यार्थियों को भाग लेने का अवसर दिया जाए।
- स्टॉल की थीम के आधार पर प्रत्येक स्टॉल से विजेताओं को पुरस्कार दिए जाए।
- पीईईओ/यूसीईईओ पूरी प्रक्रिया का प्रतिवेदन मय फोटो व उपयोगिता प्रमाण–पत्र के साथ मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, कार्यालय को प्रेषित करें।
- ब्लॉक स्तर से समेकित प्रतिवेदन एवं रिपोर्ट मय फोटोग्राफ मेला आयोजन के 10 दिवस में जिला कार्यालय को प्रेषित की जाए।
- प्रत्येक स्तर पर आयोजित निपुण मेले के कार्यों से सम्बन्धित प्रतिवेदन राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् जयपुर को कार्य समाप्ति के 10 दिवस के अन्दर प्रेषित की जानी है।
- गणित – पहाड़े सुनाना, ईबारती प्रश्नों को मौखिक रूप से हल करना, गणितीय पहेली सुलझाना, आकृतियों के नाम बताना आदि गतिविधियों की जा सकती है।

उक्त गतिविधियों के अतिरिक्त शिक्षक अन्य साथी शिक्षकों, बच्चों से चर्चा कर गतिविधियों को सूचीबद्ध करें और मेले में शामिल करें।

वित्तीय प्रावधान –

क्र.	विवरण	राशि
1	शिक्षण अधिगम सामग्री निर्माण हेतु आवश्यक सामग्री क्रय करना। जैसे – रंगीन कागज, चार्ट, कलर, क्ले, पिक्चर चार्ट इत्यादि	3000
2	थीम आधारित स्टॉल निर्माण में सहयोगी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन सामग्री जैसे– पानी की बोतल, पेन/पेन्सिल, लंच बॉक्स इत्यादि (पुरस्कार की संख्या अधिक होने पर भामाशाहों का सहयोग लिया जाए)	3000
3	अल्पाहार मेले में भाग लेने वाले विद्यार्थियों अध्यापक व अभिभावक	2000
4	स्टॉल हेतु आवश्यकतानुसार टेंट सामग्री	2000
	कुल राशि	**10000**

RajKaj Ref
7285355

जिला स्तर के दायित्व–

- राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् से गतिविधि आयोजन हेतु स्वीकृति प्राप्त होने पर 3 दिवस में ब्लॉक, पीईईओ/यूसीईईओ हेतु स्वीकृति जारी करना।
- ब्लॉक एवं विद्यालय तक दिशा–निर्देशों की पहुँच सुनिश्चित करना ।
- मॉनिटरिंग हेतु जिला एवं समस्त ब्लॉक कार्यालयों पर प्रभारी नियुक्त करना ।
- निपुण मेले के प्रभावी आयोजन हेतु समस्त मुख्य शिक्षा अधिकारी एवं प्रभारी गुणवत्ता के साथ मिलकर कार्ययोजना निर्माण करना।
- निपुण मेले के आयोजन दिवस को प्रभावी मॉनिटरिंग कराना।
- प्रत्येक ब्लॉक से प्राप्त रिपोर्ट व उपयोगिता प्रमाण पत्र को समेकित कर परिषद को प्रेषित करना।
- प्रत्येक स्तर पर किए गए कार्य की रिपोर्ट परिषद को कार्य समाप्ति के 10 दिवस में प्रेषित करना।

ब्लॉक स्तर के दायित्व–

- गतिविधि आयोजन हेतु स्वीकृति प्राप्त होने पर 03 दिवस में पीईईओ/यूसीईईओ हेतु स्वीकृति जारी करना।
- पीईईओ/यूसीईईओ विद्यालय तक दिशा–निर्देशों की पहुँच सुनिश्चित करना।
- प्रत्येक विद्यालय से प्राप्त रिपोर्ट व उपयोगिता प्रमाण पत्र को समेकित कर जिला स्तर को प्रेषित करना ।
- निपुण मेले के आयोजन दिवस को प्रभावी मॉनिटरिंग कराना।
- प्रत्येक पीईईओ/यूसीईईओ से प्राप्त रिपोर्ट व उपयोगिता प्रमाण पत्र को समेकित कर जिला कार्यालय को प्रेषित करना ।
- प्रत्येक स्तर पर किए गए कार्य की रिपोर्ट जिला कार्यालय को कार्य समाप्ति के 10 दिवस में प्रेषित करना।

पीईईओ स्तर के दायित्व–

- परिक्षेत्र के विद्यालयों के साथ समन्वय कर प्रभावी निपुण मेले का आयोजन कराना।
- परिक्षेत्र के समस्त विद्यालयों की सहभागिता सुनिश्चित करना।
- निपुण मेले के आयोजन हेतु आवश्यक सामग्री, पुरस्कार, अल्पाहार की व्यवस्था सुनिश्चित करना।
- पीईईओ, यूसीईईओ पूरी प्रक्रिया का प्रतिवेदन मय फोटो व उपयोगिता प्रमाण–पत्र के साथ मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को प्रेषित करना। (परिशिष्ट–1)
- प्रत्येक स्तर पर किए गए कार्य की रिपोर्ट ब्लॉक कार्यालय को कार्य समाप्ति के 3 दिवस के अन्दर प्रेषित की जानी है।

RajKaj Ref
7285355

- **विशेष–**
- मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा ब्लॉक में निपुण मेला अन्तर्गत आयोजित होने वाली गतिविधियों में से श्रेष्ठ गतिविधियों का 5 से 10 मिनट का वीडियों बनाये जिसे भविष्य में आयोजित होने वाली गतिविधियों में संदर्भ के रूप में उपयोग किया जा सकें। साथ ही उक्त वीडियों की सॉफ्ट कॉपी अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा सम्बन्धित जिले को प्रेषित करें।
- जिस मद के लिए राशि उपलब्ध कराई जाये, व्यय उसी मद में ही किया जावे।
- व्यय राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र निर्धारित प्रपत्र में भिजवाया जाना सुनिश्चित करें।
- कार्यक्रम अन्तर्गत व्यय राशि को PRABANDH PORTAL (https://samagrashiksha.in) पर तत्काल बुक कराया जाना सुनिश्चित करेंगे।
- राशि का उपयोग योजना के दिशानिर्देश, शिक्षा मंत्रालय की गाईड लाईन एवं लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 एवं वित्तीय नियमों की पूर्ण पालना करते हुये विहित प्रक्रियानुसार किया जाना सुनिश्चित किया जावे।
- उक्त गतिविधि वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट सत्र 2024–25 में निम्न मद में अनुमोदित की गई है–
  - 5- Quality Intervention
    - 5.1- NIPUN Bharat Mission
    - 5.1.1 - Nipun Bharat Mission (FLN)
    - 1-Teaching Learning Materials for implementation of Innovative pedagogies

यह सक्षम स्तर से अनुमोदित है।

(पूनम प्रसाद सागर)
अति. राज्य परियोजना निदेशक-I

क्रमांक – रास्कूल.शि.प/जय/गुणवत्ता/निपुण मेला/2024–25 7285355 **दिनांक** 17/5/2024
प्रतिलिपि – निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु –

1. निजी सचिव, शासन सचिव, स्कूल शिक्षा एवं भाषा विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर।
2. निजी सचिव, राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त, समग्र शिक्षा, जयपुर।
3. निजी सचिव, निदेशक माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान बीकानेर।
4. निजी सचिव, निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा, राजस्थान बीकानेर।
5. निजी सचिव, निदेशक, संस्कृत शिक्षा, राजस्थान, जयपुर।
6. निजी सहायक, निदेशक आरएससीईआरटी, उदयपुर।
7. निजी सहायक, अति. राज्य परियोजना निदेशक– प्रथम/द्वितीय राज. स्कूल शि. परिषद्, जयपुर।
8. संयुक्त निदेशक, स्कूल शिक्षा, समस्त संभाग।
9. समस्त जिला प्रभारी अधिकारी, राज. स्कूल शि. परिषद्, जयपुर। ।
10. समस्त डाइट प्राचार्य।
11. मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला परियोजना समन्वयक, समस्त जिलें।
12. अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा, समस्त जिले।
13. प्रोग्रामर, रास्कूलशिप, जयपुर दिशा निर्देश को पोर्टल पर अपलोड किया जाना सुनिश्चित करें।
14. मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, समस्त ब्लॉक।
15. समस्त पीईईओ/यूसीईईओ।
16. कार्यालय प्रति।

RajKaj Ref
7285355

गतिविधि प्रपत्र

- सृजनात्मक – मिटटी/क्ले से खिलौने बनवाना, पेन्टिंग करवाना/कॉट्न, लीफ, थ्रेड, veg, Finger, Thumb- आदि।

- **कॉलाज बनवाना –** स्वतन्त्र रूप से पिक्चर कटिंग देकर उनका कॉलाज बनवाना जैसे–फल, सब्जी, अनाज के पिक्चर एक डिब्बे में डाल कर रखना और फिर उन्हें एक निश्चित समय देकर सब्जीयों का कॉलाज बनवाना दूसरे से फल और तीसरे से अनाज का जो निश्चित समय में सबसे ज्यादा पिक्चर लगाएगा वह विजेता होगा।

- **भाषायी विकास –** जंगली, पालतु जानवरों के समान ध्वनि निकालना, समान आकृतिया को बताना,
  - कॉलाज के चित्रों के आधार पर कम समय में कहानी बुलवाना।
  - अलग–अलग पिक्चर लगाकर कॉलाज तैयार करके रखना।
  - पिक्चर व चार्ट देना स्वंय लगाकर कहानी बनवाना।
  - उक्त कार्य समूह के रूप में या व्यक्तिगत रूप से कराये जा सकते है।

(मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी/पीईईओ/यूसीईईओ हेतु)

कार्यालय..

क्रमांक : **दिनांक :**

उपयोगिता प्रमाण पत्र

वार्षिक कार्ययोजना 2024–25 में अनुमोदित गतिविधि के आयोजन हेतु प्रशासनिक स्वीकृति क्रमांक .... दिनांक.................. की अनुपालना में विवरणानुसार राशि का उपयोग किया गया।

क्र. सं.	गतिविधि का नाम	वित्तीय स्वीकृति		स्वीकृत राशि	उपयोग राशि	शेष राशि	शेष का कारण
		क्रमांक	दिनांक				

हस्ताक्षर मय सील

RajKaj Ref
7285355

Document certified by POONAM PRASAD SAGAR <ds1industriesrajasthan@gmail.com>.

Digitally Signed by Poonam Prasad Sagar
Designation : Additional State Project Director
Date :17-05-2024 05:53:16